# ई-यंत्रा में श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि ने देश के शीर्ष राष्ट्रीय संस्थानों में जगह बनाई

इंदौर| श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर की फैकल्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का नाम रौशन किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एंबेडेड सिस्टम एवं रोबोटिक्स में शिक्षा प्रसार के लिए ई-यंत्रा परियोजना, ICT (NMEICT), IIT-Bombay के माध्यम से आयोजित की गई। इसके पहले चरण (29 जून से 24 दिसंबर, 2017) ''टास्क बेस्ड ट्रेनिंग-2017'' में श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि के चार सदस्य प्रीत जैन, शिराज हुसैन, प्रितेश कुमार जैन और पूजा डाबोवाले ने भाग लिया एवं शीर्ष 9 राष्ट्रीय संस्थानों में ''प्रमाणपत्र -ए'' सफलतापूर्वक अर्जित कर, द्वितीय चरण (30 अक्टूबर से 24 दिसंबर 2017) ''टी बी टी चैलेंज-2017'' में पुनः सम्मिलित होकर शीर्ष 4 राष्ट्रीय संस्थानों में स्थान प्राप्त किया है। इस प्रकल्प में पूरे देश से 67 महाविद्यालय एवं 263 शिक्षकों ने भाग लिया था। संस्थान के कुलाधिपति पुरूषोत्तमदास पसारी, कुलपति डॉ.उपिंदर धर एवं श्री वैष्णव प्राद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. नमित गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए उन्हें ई-यंत्रा प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया है।

# अब इंदौर से ही कर सकेंगे आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस का कोर्स, शुरुआत अगले सत्र से

वैष्णव विद्यापीठ यूनिवर्सिटी में बीटेक स्टूडेंट्स के लिए 4 साल का स्पेशलाइज्ड कोर्स शुरू किया जा रहा है

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

अब तक शहर के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के सीमित पहलुओं को ही पढ़ पाते थे लेकिन अब वे डीटेल्ड स्टडी करने के साथ इसकी एप्लीकेशंस भी डेवलप कर सकेंगे। दरअसल शहर के वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस का स्पेशलाइज़ेशन कोर्स शुरू होने जा रहा है। आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस का यह पहला स्पेशलाइज्ड कोर्स है जो चार साल का डिग्री कोर्स होगा।

यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर उपेंद्र धर के मुताबिक यह कोर्स रिसर्चेबल होगा। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के ज़रिए सामाजिक विकास पर केंद्रित होगा यह कोर्स। अब तक यह कोर्स सिर्फ कुछ हिस्सों में बी.टेक. स्टूडेंट्स के लिए था, लेकिन अब कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइज्ड आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस कोर्स कर सकेंगे बीटेक स्टूडेंट्स। इसके लिए रेड हेड कंपनी के साथ टायअप भी हुआ है। यह चार साल का डिग्री कोर्स होगा। उन्होंने कहा इंडस्ट्री और मार्केट में मांग और स्टूडेंट्स के बेहतर जॉब अर्पाच्युनिटीज को देखते हुए इस कोर्स की शुरूआत की जा रही है।

## इनोवेशन लैब में बनाएंगे फ्यूचरिस्टिक प्रोजेक्ट्स

यह एप्लाइड लर्निंग कोर्स है। स्टूडेंट्स जितना प्रयोग करेंगे उतने ही उनके कॉन्सेप्ट क्लियर होंगे। इसके लिए युनिवर्सिटी में एडवांस लैब भी तैयार की जाएगी जिसमें स्टूडेंट्स को प्रयोग करने की आज़ादी होगी।

## प्लानिंग, लर्निंग और एक्सपर्ट सिस्टम पर बेस्ड होगा सिलेबस

इस कोर्स का सिलेबस तैयार कर लिया गया है। पांच यूनिट्स में बंटा सिलेबस नॉलेज, प्लानिंग, लर्निंग और एक्सपर्ट सिस्टम पर बेस्ड है। शुरुआती तीन यूनिट में जहां आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के थ्योरेटिकल हिस्से को शामिल किया है, जबकि बाकी यूनिट्स में प्रैक्टिकल नॉलेज रहेगा। आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के प्रोडक्शन सिस्टम, रिप्रेजेंटेशन ऑफ नॉलेज, नॉलेज इन्फरेंस, प्लानिंग एंड मशीन लर्निंग और एक्सपर्ट्स सिस्टम में यह कोर्स डिवाइड किया गया है।